



Seat No. \_\_\_\_\_

**HB-19070201061700**  
**B. R. S. (Sem.-VI) (CBCS)**  
**(W.E.F. 2019) Examination**  
**April - 2023**  
**Hindi : Core-619**  
*(मध्यकालीन हिन्दी काव्य) (New Course)*

Time : 2½ Hours / Total Marks : 70

सूचना : (1) सूचनानुसार उत्तर दीजिए।  
(2) सभी प्रश्नों के अंक सामने दिये गये हैं।

1 अंतःसाक्ष्य और बहिःसाक्ष्य के आधार पर कबीर के जीवनवृत्त को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

1 ज्ञानमार्गीय काव्यधारा के प्रमुख कवि कबीर पर विस्तृत निबंध लिखिए।

2 कबीर के प्रेम के आदर्श पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

2 कबीर के विरह वर्णन की विस्तृत चर्चा कीजिए।

3 निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: 15

- (1) “साधु जात न पूछो, निरगुनियाँ।  
साधु ब्राह्मन साधु छतरी, साथै जाती बतियाँ॥”
- (2) “मोकों कहाँ ढूँढे बन्दे, मैं तो तेरे पास में।  
ना मैं देवल, ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में॥”
- (3) “साधो भाई, जीवन ही करो आसा।  
जीवन समझे जीवन बूझे, जीवन मुक्ति निवासा॥”
- (4) “हरि गोकुल की प्रीति चलाई।  
सुनहु उपंगसुत मोहि न बिसरत ब्रजवासी सुखदाई॥”
- (5) “हम तौ कान्ह केलि की भूखी  
कैसे निरगुन सुन हिं निहारो विरहिनि बिरह – बिदुखी?”

4 भ्रमरगीत कथानक के सार को अपने शब्दों में लिखिए। 15

अथवा

4 सूरदास का संक्षिप्त जीवन परिचय देकर उनके साहित्य की चर्चा कीजिए।

5 भ्रमरगीत के गोपी-उद्धव संवाद पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

5 भ्रमरगीत परंपरा में सूर के भ्रमरगीत का स्थान निर्धारित कीजिए।

---